बिहार सरकार ने पेड़ लगाने की प्रथा को बढ़ावा देने के लिए `प्यार का पौधा` अभियान शुरू किया

- पटना में बिहार के पर्यावरण और वन विभाग के राज्य सरकार ने जल जीवन हरियाली अभियान के तहत` प्यार का पौधा` (प्यार का एक पौधा) अभियान शुरू किया है राज्य में पेड़ लगाने की प्रथा को बढ़ावा देना।

मुख्य बिंदु:

- पर्यावरण विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे अपने करीबी लोगों को प्यार का पौधा गिफ्ट करें क्योंकि यह वर्षों तक जीवित रहेगा और इस उद्देश्य के लिए पटना के पौधों के स्टाल भी लगाए गए हैं।
- यदि यह प्रयोग सफल रहा, तो इसे राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी लागू किया जाएगा।

ब्लैकहोल की खोज और रहस्य खोलने वाले तीन वैज्ञानिकों को भौतिकी का नोबेल

- विज्ञान 2020 में नोबेल पुरस्कार संयुक्त रूप से **रोजर पेनरोस** को "ब्लैक होल का गठन सापेक्षता के सामान्य सिद्धांत का एक मजबूत पूर्वानुमान है", **एंड्रिया गेज़** और **रेनहार्ड गेंजेल** को "हमारी आकाशगंगा के केंद्र में एक सुपरमैसिव कॉम्पैक्ट ऑब्जेक्ट" खोज के लिए दिया गया।

गुजरात सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के लिए डिजिटल सेवा सेतु कार्यक्रम की घोषणा की।

- गुजरात के गांवों को डिजिटल सेवा सेतु कार्यक्रम के तहत 100 एमबीपीएस ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।
- नागरिक इस कार्यक्रम के तहत विभिन्न दस्तावेजों जैसे डुप्लीकेट राशन कार्ड, आय प्रमाण पत्र, वरिष्ठ नागरिक प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र अपने दरवाजे पर प्राप्त कर सकते हैं।
- **नोट:** डिजिटल सेवा सेतु, भारत नेट परियोजना के तहत शुरू किया गया है। भारत नेट प्रोजेक्ट, ऑप्टिकल फाइबर का उपयोग करने वाला दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी कार्यक्रम है। यह भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड (बीबीएनएल) द्वारा लागू किया गया है जो दूरसंचार मंत्रालय के तहत एक विशेष परियोजना है।

दिल्ली सरकार ने पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए " बायो-डीकम्पोजर " छिड़काव की अनुमति दी

Gradeup UP State Exams Super Subscription | Access to all Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, PUSA ने " बायो-डीकम्पोजर " छिड़काव तैयार किया, जो एक कम लागत वाली, स्टब बर्निंग की समस्या से निपटने के लिए प्रभावी तकनीक है।
- जैव-डिकम्पोजर कैप्सूल जो एक तरल तैयार करने के लिए उपयोग किए जाते हैं। जब इस घोल का खेतों में छिड़काव किया जाता है, तो फसल अवशेषों को विघटित करके खाद में बदल सकते हैं। यह घोल उर्वरकों के उपयोग को कम करता है और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाता है।

C-DAC, NVIDIA के साथ भारत के सबसे तेज HPC-AI सुपरकंप्यूटर 'PARAM Siddhi - AI' को कमीशन करेगा

- सुपरकंप्यूटर में 210 एआई पेटाफ्लॉप्स (6.5 पेटाफ्लॉप्स पीक डीपी) होंगे।
- PARAM Siddhi - AI, C-DAC में NSM के तहत एक बड़े पैमाने पर HPC-AI स्केलेबल इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया जाएगा, जिसमें Niti Aayog, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और केंद्र सरकार का समर्थन होगा। यह NVIDIA अगली पीढ़ी की तकनीक, सी-डैक सॉफ्टवेयर स्टैक और क्लाउड प्लेटफॉर्म का उपयोग करेगा।
- "यह विज्ञान और इंजीनियरिंग में अनुसंधान और नवाचार के लिए एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। AI में तीन दशकों की विशेषज्ञता और C-DAC के AI और लैंग्वेज कम्प्यूटिंग मिशन मोड प्रोग्राम को बढ़ाने के साथ, यह इन्फ्रास्ट्रक्चर हेल्थ केयर, एजुकेशन, एनर्जी, साइबर सिक्योरिटी, स्पेस, ऑटोमोटिव और एग्रीकल्चर में विशिष्ट और बड़ी चुनौती समस्याओं के प्रयोगों और परिणामों को गति देगा।

ISLRTC और NCERT ने शैक्षिक सामग्रियों को भारतीय सांकेतिक भाषा में बदलने के लिए MoU पर हस्ताक्षर किए

- भाषा के अपने पसंदीदा प्रारूप में, बहरे बच्चों के लिए शैक्षिक सामग्री सुलभ बनाने के लिए ISLRTC (भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र) और NCERT (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद) ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- यह एमओयू भारतीय सांकेतिक भाषा में एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता का एक कदम है जो यह सुनिश्चित करेगा कि श्रवण बाधित बच्चे भी अब भारतीय सांकेतिक भाषा में शैक्षिक संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। यह एमओयू विकलांगता अधिनियम, 2016 और

Gradeup UP State Exams Super Subscription | Access to all Structured Courses & Test Series ENROL NOW

नई शिक्षा नीति, 2020 के साथ व्यक्तियों के अधिकारों की जरूरतों को पूरा करने के सामान्य लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक कदम है।

नोट: भारत में बधिर व्यक्तियों की कुल जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 50 लाख थी। अप्रचलित प्रशिक्षण पद्धति और शिक्षण प्रणालियों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। भारतीय साइन लैंग्वेज (ISL) का उपयोग पूरे भारत में बहरे समुदाय में किया जाता है।

सिक्किम की प्रसिद्ध मिर्च "डल्ले खुर्सानी " को जीआई टैग मिला

- सिक्किम की लाल चेरी मिर्च, जिसे स्थानीय रूप से "डल्ले खुर्सानी" के रूप में जाना जाता है, को उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), भारत सरकार के द्वारा भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग मिला।
- **नोट:** जीआई (भौगोलिक संकेत) एक संकेत या नाम है जिसका उपयोग कुछ उत्पादों पर किया जाता है जो एक विशिष्ट भौगोलिक स्थान या मूल (एक शहर, क्षेत्र या देश) से संबंध रखते हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने ICCR द्वारा आयोजित टेक्सटाइल ट्रेडिशन पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार को संबोधित किया।

- विषय **"वीविंग रिलेशन"टेक्सटाइल ट्रेडिशन : है।**
- प्रधानमंत्री ने विभिन्न देशों के लोगों को वेबिनार में भाग लेने के लिए उनकी कड़ी मेहनत के लिए ICCR (भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद) और उत्तर प्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन की प्रशंसा की। यह कार्यक्रम गांधी जी की 150 वीं जयंती समारोह के संदर्भ में आयोजित किया गया है। प्राकृतिक रूप से रंगीन कपास और रेशम का भारत में एक लंबा और शानदार इतिहास रहा है। हमारे वस्त्रों में विविधता हमारी संस्कृति की समृद्धि को दर्शाती है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार के पहले संस्करण के परिणाम जारी किए

- उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने नए उत्पादों का निर्माण और नये तरीको से समाधान करने वाले उत्कृष्ट स्टार्टअप्स और पारिस्थितिकी तंत्र के समर्थकों को पहचानने और पुरस्कृत करने के लिए पहले राष्ट्रीय स्टार्टअप अवार्ड की कल्पना की। पहले

Gradeup UP State Exams Super Subscription | Access to all Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

संस्करण के पुरस्कारों के आवेदन 12 क्षेत्रों से आमंत्रित किए गए हैं जिन्हें कुल 35 श्रेणियों में उप-वर्गीकृत किया गया।

- जीतने वाले प्रत्येक स्टार्टअप को 5 लाख रुपये नकद पुरस्कार के साथ-साथ पब्लिक कॉर्पोरेट और अधिकारियों को अपने स्टार्टअप पेश करने के अवसर मिलेंगे।

जम्मू और कश्मीर में ग्रामीण लोगों के लिए 'बैक टू विलेज 'कार्यक्रम की शुरुआत

- केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में 'बैक टू विलेज' कार्यक्रम ग्रामीण लोगों के लिए अपने सपनों को हकीकत में बदलने की उम्मीद की किरण बनकर उभरा है। कार्यक्रम के तहत, विजिटिंग ऑफिसर प्रदेश के अगम्य और कठिन इलाकों में पहुंच कर समाज के वंचित क्षेत्रों को सशक्त बनाएंगे।

वैज्ञानिकों ने पश्चिमी घाट में बोनी मछली की एक नए प्रजाति की खोज की

- पश्चिमी घाट से बोनी मछली की एक नए प्रजाति मिली और इसका नाम **एनीगामाचैनिडे** रखा गया है
- **नोट:** पश्चिमी घाट: यह भारत के पश्चिमी तट के समानांतर चलने वाले पहाड़ों की एक श्रृंखला जो लगभग 30-50 किमी अंतर्देशीय है, घाट केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों को पार करती हैं। यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है और दुनिया में जैविक विविधता के आठ हॉट-स्पॉट में से एक है।

अघरकर रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे के वैज्ञानिकों ने महाराष्ट्र और कर्नाटक के पश्चिमी घाटों से पाइपपोर्ट की दो नई प्रजातियों की खोज की।

- पहला: इरियोकोलोन पर्विसफलम महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले से मिली प्रजाति का नाम इरियोकोलोन पर्विसफलम रखा गया (इसके सूक्ष्म पुष्पक्रम आकार के कारण)
- दूसरा कुमता, कर्नाटक से प्राप्त हुई दूसरी प्रजाति का नाम इरियोकोलोन करावालेंस करावली) रखा गया। (तटीय कर्नाटक क्षेत्र के नाम पर
- **नोट:** एक पादप समूह की दो नई प्रजातियों, जिन्हें उनके विभिन्न औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है, को पश्चिमी घाटजोकि जैविक विविधता - के लिहाज से दुनिया के पैंतीस हॉटस्पॉटों - के नाम से प्रसिद्ध यह पादप समूह (इरियोकोलोन) में खोजा गया है। पाइपवोर्ट - में से एक है,

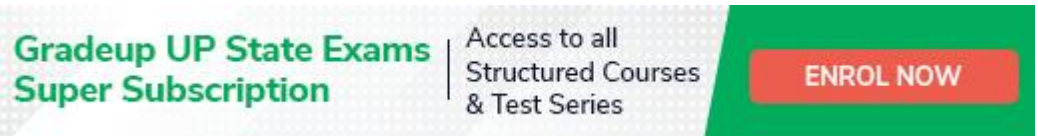

जो मानसून के दौरान एक छोटी अवधि के भीतर अपने जीवन चक्र को पूरा करता है, पश्चिमी घाट की महान विविधता को दर्शाता है।

gradeup

Gradeup UP State Exams Super Subscription
Access to all Structured Courses & Test Series
ENROL NOW